धागे के मूल्यों में वृद्धि

232. **श्री के. सी. पाण्डेय** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनता पार्टी तथा लोकदल के शासन के दौरान धागे के मूल्यों में वृद्धि हुई थी जिसके फलस्वरूप हथ-करघा तथा विद्युत-करघा बुनकरों को भारी हानि हुई थी;

(ख) क्या सरकार का विचार धागे के मूल्यों में कमी कराने का है, यदि हां, तो कब तक;

(ग) वर्ष 1965 में धागे का मूल्य प्रति बंडल कितना था और अब कितना है; और

(घ) इस समय सरकार बुनकरों से किस दर पर खरीद कर रही है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरनजीत चानना): (क) जी हां। धागे के मूल्य अक्तूबर, 1978 से बढने शुरू हो गए थे और 1979 की गर्मियों में कताई मिलों में व्यापक वस्त्र उद्योग हड़ताल तथा बिजली की कटौती और डीज़ल की कमी के कारण स्थिति और अधिक बिगड़ गई ।

(ख) सितम्बर, 1979 में चल रहे मूल्यों को ध्यान में रखकर सितम्बर, 1979 में स्वैच्छिक मूल्य नियंत्रण योजना शुरू की गई थी । जो जनवरी, 1980 तक चलती रही । इस योजना को 1980 में समाप्त कर दिया गया था क्योंकि इस समय बाजार मूल्य स्वैच्छिक योजना के संगत मूल्यों से भी नीचे स्तर तक पहुंच गये थे । इसके अलावा निर्दिष्ट मिलों से उनके मिल से निकलते समय के मूल्य पर हथकरघा सहकारी समितियों/संघों द्वारा सीधे माल खरीदने की एक योजना भी चलाई गई थी । यह योजना अभी भी चल रही है। यह एक विचारणीय बात है कि सूती धागे का सूचकांक जो सितम्बर, 1979 में 235.9 था उससे घटकर अब (2.2.1980 को समाप्त सप्ताह में) 220.5 हो गया है । यह स्थिति सभी वस्तुओं के थोक बिक्री मूल्यों की स्थिति से जो सितम्बर, 1979 के 220.7 थे और 2.2.1980 को समाप्त सप्ताह में बढ़कर 225.2 तक पहुंच गए, एकदम विपरीत है।

(ग) प्रति बण्डल धागे के वर्ष 1965-66 के अधिकतम/न्यूनतम मूल्यों की जानकारी संलग्न विवरण में दी गई है।

(घ) सरकार बुनकरों से कोई सीधी खरीद नहीं कर रही है । किन्तु, सरकार एक ऐसी योजना के लिए राजसहायता देती है जिसके अधीन हथकरघा क्षेत्र में कम कीमत वाली साडियां और धोतियों का उत्पादन किया जाता है और जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है । अनुमान है कि इस योजना के अधीन वर्ष के दौरान लगभग 1750 लाख मीटर कपड़े का उत्पादन किया गया।

विवरण

जनवरी, 1966			1-3-1980		
(प्रति 5 किलो का मूल्य रुपयो में)			(प्रति 4.54 किलो का मूल्य रुपयो मे)		
10.6 एस	न्यूनतम	21.08	10एस	न्यूनतम	64.00
(एन एफ)	अधिकतम	23.54		अधिकतम	70.00
20./1एस	न्यूनतम	25 28	20 एस	न्यूनतम	76.00
(एन एफ/7)	अधिकतम	26.21		अधिकतम	82.00
40.2 एस	न्यूनतम	36.71	40 एम	न्यूनतम	120.00

जनवरी 1966			1 3-1980		
(एन एफ 34)	अधिकतम	37.99		अधिकतम	128.00
67.4 एस	न्यूनतम	48.29	60 एस	न्यूनतम	163.00
(धुनी हुई)	अधिकतम	31.23		अधिकतम	167.00
(एन एफ 52)	..				
80.3 एस	न्यूनतन	76.79	80 एस	न्यूनतम	203.00
(धुनी हुई) (एन एफ 68)	अधिकतम	78.46	(धुनी हुई)	अधिकतम	210.00

जनता/लोकदल की सरकारों द्वारा वरिष्ट अधिकारियों को निलम्बित किया जाना

233. **श्री के. सी. पाण्डेय** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनता और लोक दल की सरकारों के शासन के दौरान कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को निलम्बित कर दिया गया था क्योंकि वे गलत काम करने को तैयार नहीं थे ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की संख्या, नाम और और पदनाम क्या है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार ऐसे अधिकारियों के साथ न्याय करने का है और यदि हां, तो कब तक ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. वेंकटसुब्बय्या) : (क) से (ग). सूचना एकत्रित की जा रही है और इसे सदन के पटल पर रख दिया जाएगा ।

Estimates of Uranium Resources

234. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have estimated Uranium resources in the country;

(b) if so, the current estimated resources of $U_5 O_8$ and how much of it is available for exploitation;

(c) whether new target areas have been identified in Crystaline fields of Madhya Pradesh; and

(d) if so, the estimated Uranium found in Madhya Pradesh and the programme of it's exploitation?

THE PRIME MINISTER (SHRIMATI INDIRA GANDHI): (a) and (b). Yes, Sir. Uranium reserves now stand at 63,876 tonnes $U_5 O_8$ under indicated and inferred categories. These reserves, though comparatively of lower grade, can be exploited and uranium produced at a cost comparable to present upward trend in international market. One mine at Jadaguda in Singhbhum District, Bihar is already under exploitation.

(c) and (d). Significant uranium occurrences have been located at Dumhath-Jajawal-Dauki-Duba-Garia etc., along shear zones in Sarguja District, Bodal-Bhandari tola in Rajnandgon District and very recently along Kurri-Keonti-Chihra tract in Bastar District, Madhya Pradesh.

Bodal area is estimated to contain over 1,800 tonnes of $U_5 O_8$ and production plans are under technical scrutiny. Exploratory underground